By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-2

Topic - Nature, Scope and Significance of Political Theory

Class - B.A. Degree-I (Hons.,P-1)

Subject - Political Science

Date - 16 Dec.,2020

By Rahul Kumar Jha.

राजनीतिक सिद्धांत के प्रकृति एवं क्षेत्र :-

राजनीतिक सिद्धांत राजनीतिक जीवन से संबंधित धारणाओं और सामान्य नियमों का वह समूह है जिसमें सरकार, राज्य और समाज की प्रकृति, उद्देश्य तथा प्रमुख विशेषताएँ एवम् व्यक्ति की राजनीतिक समस्याओं के बारे में विचार, परिकल्पनायें और वितरण निहित होते है। हेकर के अनुसार, राजनीतिक सिद्धांत जहां एक तरफ अच्छे समाज और अच्छे राज्य से संबंधित नियमों की निष्पक्ष खोज है, वहां दूसरी तरफ यह राजनीतिक और सामाजिक वास्तविकता का निष्पक्ष ज्ञान है।

एक अन्य लेखक जॉर्ज कैटलिन के अनुसार राजनीतिक सिद्धांत राजनीतिक विज्ञान और राजनीतिक इतिहास दोनों का मिश्रण है। जबकि विज्ञान सम्पूर्ण सामाजिक जीवन के नियंत्रण के विभिन्न स्वरूपों की प्रक्रिया की ओर ध्यान दिलाता है, अर्थात इसका संबंध साध्यों से है, वहां राजनीतिक इतिहास का संबंध उन साध्यों तथा मूल्यों से है जब व्यक्ति इस तरह के प्रश्नों पर विचार करता है कि राष्ट्रीय हित क्या होता है? या एक अच्छा समाज क्या होता है?

गुन्ड और कोलब के अनुसार- राजनीतिक सिद्धांत राजनीतिशास्त्र का वह भाग है जिसके निम्नलिखित अंग हैं-

i) राजनीतिक इतिहास- यह राजनीतिक विचारों के इतिहास का अध्ययन और नैतिक मूल्यांकन से संबंधित है

ii) एवं वैज्ञानिक पद्धति

iii) राजनीतिक विचारों का भाषा विषयक विश्लेषण

iv) राजनीतिक व्यवहार के सामान्य नियमों की खोज तथा उनका क्रमबद्ध विकास।

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि राजनीतिक सिद्धांत मुख्यतः दार्शनिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से राज्य का अध्ययन है। सिद्धांतों का संबंध केवल राज्य तथा राजनीतिक संस्थाओं की व्याख्या, वर्णन तथा निर्धारण से ही नहीं है बल्कि उसके नैतिक उद्देश्यों का मूल्यांकन करने से भी है। इसका संबंध केवल इस बात का अध्ययन करना ही नहीं है कि राज्य कैसा है बल्कि यह भी कि राज्य कैसा होना चाहिए।

इस प्रकार राजनीतिक सिद्धांत आरंभ से ही उन नियमों की खोज में लगे हुए हैं जिनके आधार पर व्यक्ति एक ऐसे राजनीतिक समुदाय का निर्माण कर सके जिसमें शासक और शासित दोनों सामान्य हित की भावना से प्रेरित हो। यह आवश्यक नहीं कि राजनीतिक सिद्धांत सभी राजनीतिक प्रश्नों के कोई निश्चित व अंतिम हल ढूंढने में सफल हो जाये परंतु यह हमें इन प्रश्नों के हल के लिए नयी दिशा संकेत अवश्य दे सकते हैं।

CHAPTER CONTINUES.....